



खबर संक्षेप

जांजगीर में एक दिवसीय निःशुल्क बाल संस्कार शिविर का आयोजन कल जांजगीर-चांपा। ब्रज गोपिका सेवा मिशन के तत्वावधान में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कार से सफलता की ओर विषय पर एक दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर रविवार 6 सितम्बर को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक ओम मंगलम भवन, कोणार्क कॉलेज के पास जांजगीर में लगाया जाएगा। शिविर में 6 वर्ष से 13 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाएं भाग ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क है। सीटें सीमित होने के कारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। शिविर की विशेषताओं में संस्कार एवं मूल्य शिक्षा, प्रेरणादायक प्रसंग, कहानी, खेल एवं गतिविधियाँ, योग एवं ध्यान, भजन एवं कीर्तन तथा व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। आयोजकों ने बताया कि आज के समय में बच्चों को अच्छे संस्कार देना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य को लेकर एक दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

नवाचारी शिक्षा और कर्मठता के लिए मिला सठ्मान

राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हुए अविभाजित जिले के चार शिक्षक



राज्यपाल से पुरस्कार प्राप्त करते श्रीमती अंजू किरण व गुलजार बरेट



हरिभूमि न्यूज | जांजगीर-चांपा

शिक्षक दिवस पर अविभाजित जिले के 4 शिक्षक राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हुए। इनमें जांजगीर चाम्पा और सक्ती जिले के दो - दो शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों को कर्मठता से कार्य करने और नवाचारी शिक्षा की उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले शासकीय स्कूल के शिक्षकों को हर साल शिक्षक दिवस पर राज्य स्तर पर पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस साल अविभाजित जांजगीर- चाम्पा जिले के 4 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से नवाजा गया। राजधानी रायपुर में 5 सितंबर को राज्यपाल रमन डेका ने प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया। इन शिक्षकों में जांजगीर चाम्पा जिले के बलौदा

ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला शनिचराडीह (मालगुजारी) की सहायक शिक्षक श्रीमती अंजू किरण और बम्हनीडीह ब्लॉक के शासकीय नवीन प्राथमिक शाला रोहदी के प्रधान पाठक गुलजार बरेट शामिल हैं। इसी तरह सक्ती जिले के व्याख्याता छविलाल राठौर और प्रधान पाठक पिललाल पटेल भी सम्मानित हुए। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और कर्मठता के लिए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने प्राथमिक स्तर को बच्चों के भविष्य की नींव मानते हुए किताब रटने की बजाए सीखने पर जोर दिया। परम्परागत तरीके से हटकरस्मार्ट क्लास, टीएलएम, एफएलएन गतिविधियां, खेल-खेल में शिक्षा जैसे नए प्रयोग कर सकारात्मक परिणाम दिए हैं। शिक्षकों की मेहनत का सम्मान करते हुए शासन द्वारा पुरस्कार से नवाजा गया है।

गुलजार बरेट ने सीखने- सिखाने के केन्द्र के रूप में किया स्कूल का विकसित

गुलजार बरेट वर्ष 2005 से शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी में 20 वर्ष सेवा के बाद साल 2025 से पदोन्नति पश्चात शासकीय नवीन प्राथमिक शाला रोहदी में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने नई बाल केंद्रित पद्धतियां जैसे ध्वनि जागरूकता, डिफेंडिंग को कक्षा में सफल प्रयोग किये। ऑडियो बुक निर्माण, ऑडियो पॉडकास्ट, स्मार्ट क्लास, जादुई पिटारा, टीएलएम, एफएलएन गतिविधियां, खेल-खेल में शिक्षा, मॉर्निंग असेंबली, कोरोना कालीन वर्चुअल,मोहल्ला क्लासेज, हूबर के झोला विज्ञान प्रयोग और सामुदायिक सहभागिता से छोटे छोटे बच्चों के लिए आकर्षक रंगीन गोल टेबल और रंगीन कुर्सियां, किचन गार्डन, न्योता भोजन से सरकारी स्कूल की एक अलग पहचान बनाई। जहां न केवल बच्चों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए भी सीखने सिखाने के केंद्र के रूप में स्कूल को विकसित किया।

अंजू किरण ने कविता-कहानी और प्रोजेक्टर से बनाया शिक्षा को आसान

शासकीय प्राथमिक शाला शनिचराडीह (मालगुजारी) में पदस्थ सहायक शिक्षक श्रीमती अंजू किरण ने कविता कहानी और प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षा को बच्चों के लिए आसान बना दिया है। अंजू किरण की पहली पोस्टिंग वर्ष 2008 में मालखरौदा ब्लॉक के चौरमांठा प्राथमरी स्कूल में हुई थी। वर्ष 2013 से वह शनिचराडीह के स्कूल में पदस्थ है। उन्होंने बोलेंगा बचपन कविता कहानी, सुविचार, कबाड़ का जुगाड़, शिक्षण सामग्री के माध्यम से बच्चों के लिए पढ़ाई आसान बना दी है। छोटे बच्चों को आसानी से पढ़ाने के उद्देश्य से परंपरागत तरीकों से हटकर नवाचार करते हुए वे शिक्षा दे रही हैं। किताबी ज्ञान के साथ ही बच्चों में आत्मविश्वास जागृत करने प्रतिदिन प्रार्थना के समय बच्चों से कविता, कहानी, सुविचार व अन्य गतिविधियां कराई जाती हैं। अंजू किरण के पति शशिकिरण स्नेह परिवार के कई सदस्य शासकीय शिक्षक हैं।

चांपा में चला बुलडोजर, रेलवे की जमीन से अवैध निर्माण किया ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज | चांपा

नगर में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर नगरीय प्रशासन के साथ-साथ रेलवे प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। इसी क्रम में शनिवार 5 सितंबर को रेलवे प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अंडरब्रिज के समीप किए जा रहे निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

चांपा से भोजपुर मार्ग की ओर जाने वाले अंडरब्रिज से बाहर निकलते ही रेलवे क्षेत्र से सटाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था। रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व में संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य बंद करने तथा अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने पर रेलवे प्रशासन ने स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद शनिवार को राजस्व अधिकारियों



बेजाकब्जा हटाने की कार्रवाई करता अमला।

और चांपा पुलिस की मौजूदगी में रेलवे प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से निर्माण को तोड़कर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। रेलवे अधिकारी ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। आगामी 10 सितंबर को भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रशासन द्वारा

अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि रेलवे क्षेत्र में दोबारा किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ और सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में रेलवे क्षेत्र में किए गए अन्य अतिक्रमणों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

डिजीटल क्रॉप सर्वे का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज | सक्ती

सक्ती जिले की नवपदस्थ कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने शनिवार को डभरा विकासखंड के ग्राम हीरापुर और बरगुडहा में मौके पर पहुंचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित राजस्व अधिकारियों को किसानों के खेतों तक जाकर ही उचित ढंग से डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्यों का निरीक्षण करने, मौके पर उपलब्ध सभी संरचनाओं का उल्लेख कराने और फसलों का बिना किसी त्रुटि के सही-सही रकबा इंड्राज कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती जैन ने कहा है कि इस कार्य में

किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य के लिए विगत दिवस राजस्व अधिकारियों को आदेश जारी कर डिजिटल क्रॉप सर्वे का फील्ड व भौतिक सत्यापन का कार्य 15 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिसमें सभी खसरो का भौतिक सत्यापन कर ऑनलाइन फसल प्रविष्टि की जाएगी साथ ही धान की किस्म, पेड़, मकान, सिंचाई के साधन इत्यादि की प्रविष्टि का प्रावधान है। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से चर्चा करते हुए फसल की सिंचाई, फसल की स्थिति तथा कृषि संबंधी अन्य जानकारीयां लेते हुए किसानों से अन्य आवश्यक जानकारीया ली।

TECNO

SPARK Go 3^{PRO}
DASH JAISA DUMDARR

IP69

69



SCAN TO KNOW MORE

Available at
All Retail Stores
Near You...

Assured Cashback*

pine labs
PAY LATER

paytm

benow
it's easy

OR

Buy at ₹2499/Month with 12 Months No Cost EMI*

BAJAJ
FINANCE

TVSCREDIT

HDB
FINANCIAL SERVICESIDFC FIRST
BankHOME
CREDITDMI
FINANCEChola
Lender's better lifePOONAWALLA
FINCORP

**T&C apply



LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL | Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757, Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) - Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

TECNO

acerpure

hp

ONEPLUS

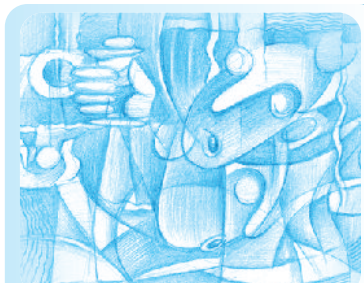
7828002600, 9575832859,
9893314137



कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकु' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितने थपेड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम श्रम को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने श्रमार्थों के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम श्रम को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने श्रमों के बीच
कितने बदबोलेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्राल्मपराश के बीच	जीना श्रम श्रम को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंटेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ट्युमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फ्रीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लय में आने दें। 'गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट्स' के एक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश

पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी



एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया। प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद

समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी। क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादाश्त के लिए एक

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादाश्त और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है। बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूँ? तुम्हें राजा बेटा न कहूँ, तो क्या अपना बाप कहूँ? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।' नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज्ज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझे एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।' अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।' अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

खबर संक्षेप

बाजे गाजे के साथ निकली शोभा यात्रा, धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व



बहेराडीह। ग्राम बहेराडीह में धार्मिक सेवा समिति के तत्वाधान में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। पूर्व की भांति इस साल भी रथ में झांकी सजाकर बाजे गाजे के साथ उत्सासपूर्वक पर्व मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक सेवा समिति के पदाधिकारी रामगोपाल यादव, सोहन लाल यादव, शिवराम कश्यप, घनश्याम यादव, ईश्वर प्रसाद यादव, धनीराम यादव, राजकुमार यादव, संतोष यादव, श्रवण कश्यप एवं गांव के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण कर वितरित किया पौधा



सक्ती। आंल इंडिया लीनेस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट सी जी -1 स्वर्णिम सक्ती क्लब की चार्टर्ड अध्यक्ष लीनेस शहनाज बानी के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट प्रमोटर लीनेस सुमन सिंह ने अपने डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट पर्यावरण के तहत आफिसर कालोनी मंदिर परिसर में मोहल्ले के बच्चों के साथ पौधा का महत्व बताते हुए पौधारोपण कर पौधा वितरण किया। उन्होंने सभी से अपने जीवन में किसी भी शुभ अवसर जैसे जन्म दिन, विवाह तिथि में अवश्य ही एक पौधे लगाकर उसका संरक्षण करने आह्वान किया ताकि आने वाले पीढ़ी, पशु -पक्षियों जीव- जन्तुओं को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने प्लास्टिक उपयोग नहीं करने की बात कही। इस अवसर पर सचिव लीनेस निकहत करीम, कोषाध्यक्ष एवं माइक्रो चेयरपर्सन लीनेस प्रिया दुबे, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ शालू पाहवा, लता नायक, अनीता सिंह, विजया जायसवाल, अनीता राठौर, एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निधन

उदित सोनी

पामगढ़। पामगढ़ के प्रतिष्ठित नागरिक एवं व्यवसायी पूर्णिमा ज्वेलर्स के संचालक महेंद्र सोनी के इकलौते पुत्र उदित सोनी का 23 वर्ष की अल्पायु में आकस्मिक निधन अपोलो हास्पिटल बिलासपुर में 5 सितंबर को 12 बजे हो गया। उनकी अंतिम यात्रा रविवार 6 सितंबर को सुबह 9 बजे उनके निवास पंकज पेट्रोल पंप मेन रोड पामगढ़ से निकलेगी।

मटकी फोड़, फैसी ड्रेस व राधा-कृष्ण रूप-सज्जा प्रतियोगिता ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ►► जांजगीर-जैला

सरस्वती शिशु मंदिर नैला-जांजगीर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में वीणापाणि शिक्षण समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार झाड़ाड़िया,व्यवस्थापक संतोष उपाध्याय, सहसचिव गुलाबधर दीवान, कोषाध्यक्ष ऋषि टहलानी, सम्माननीय सदस्य गोविंद राम सोनी एवं गोपेश्वर कटार तथा शासकीय विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य संतोष दुबे उपस्थित रहे। जन्माष्टमी के अवसर पर कक्षा 10वीं की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कक्षा अरुण से द्वितीय तक फैसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा कक्षा तृतीय से अष्टम तक राधा-कृष्ण रूप-सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके साथ ही कक्षावार मटकी फोड़ कार्यक्रम हुआ, जिसमें विद्यार्थियों के साथ वीणापाणि शिक्षण समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक मटकी फोड़ी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।शिक्षक दिवस के अवसर पर गोपेश्वर कहरा ने डॉ.



कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि।

अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों को उपहार एवं गमले में लगे पौधे भेंट किए। वहीं वीणापाणि शिक्षण समिति द्वारा शिक्षकों को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती बबीता वर्मा ने सभी अतिथियों, समिति के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग की नेटबॉल टीम ने दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ►► जांजगीर-चांपा

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 में बिलासपुर संभाग की नेटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 वर्ष बालक एवं 14 वर्ष बालिका दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में जांजगीर-चांपा जिले के 7 खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जांजगीर-चांपा जिले से 14 वर्ष बालिका वर्ग में तमन्ना यादव, युक्ति पांडे, अनमोल यादव एवं अमनी यादव ने बिलासपुर संभाग टीम का प्रतिनिधित्व किया। वहीं 14 वर्ष बालक वर्ग में आयुष कुमार राठौर, ईनेश यादव एवं सौर्य



पदक के साथ उपस्थित खिलाड़ी एवं अन्य।

श्रीवास टीम का हिस्सा रहे। सभी खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल एवं शानदार प्रदर्शन से टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया और जांजगीर-चांपा जिले का नाम

गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर नेटबॉल एसोसिएशन ऑफ जांजगीर-चांपा के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने सभी खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को

बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से नेटबॉल के क्षेत्र में जांजगीर-चांपा जिले के खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहा है। राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जांजगीर-चांपा का परचम लहराया है। शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक प्राप्त करना जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी जिले के खिलाड़ी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन का हुआ आयोजन उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► शिवरीनारायण

धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी शिवरीनारायण में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक आयोजन किए गए। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली और पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

इस अवसर पर शिवरीनारायण मठ मंदिर द्वारा अपनी आदिकालीन परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विशेष महाभोज का आयोजन किया गया। महाभोज में नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों तथा दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी लोग पहुंचे। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर में पूरे दिन चहल-पहल बनी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों एवं जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शाम होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ गई। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की आकर्षक झांकी सजाई गई, वहीं मध्याह्न में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के जन्म की खुशी में जयकारे लगाए और प्रसाद का वितरण किया। शिवरीनारायण की धार्मिक परंपराओं में जन्माष्टमी का विशेष महत्व है। यहां वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपराओं के अनुसार विभिन्न आयोजन किए जाते हैं, जिनमें नगरवासियों के साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं।

ठेठवार यादव समाज ने राधा-कृष्ण मंदिर में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्णा जन्माष्टमी

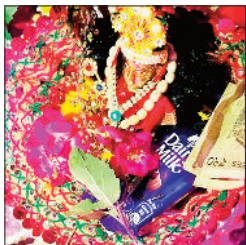


पामगढ़। प्रसिद्ध राधा-कृष्ण मंदिर मल्हार में ठेठवार यादव समाज बरनोरी राज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सजावट एवं फूलों से सजाया गया तथा भगवान श्रीराधा-कृष्ण का विशेष श्रुंगार किया गया। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा जी की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर 'नंद के घर आनंद भरी, जय कन्हैया लाल की' एवं 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गुंज उठा। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में तुमेश यादव, भरत लाल यादव, हृदय यादव, लकेश यादव, रमेश यादव, शत्रुघ्न यादव, लक्ष्मी प्रसाद यादव, सोनाराम यादव, राजकुमार यादव, नंदराम यादव, विजय यादव, रामप्रसाद यादव, देलूराम यादव, रामानुज यादव, स्वदराम यादव, मनीष यादव, केजूराम यादव, पुनीराम यादव उपाध्यक्ष एवं यादव समाज के श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन लकेश यादव ने किया।



जन्माष्टमी के अवसर पर पूजा अर्चना करने पहुंचे श्रद्धालु।

नगर व अंचल में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी



तालाब के पास स्थित राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में भी युवाओं ने दही-हांडी उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यहां मटका फोड़ एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही मिठाइयां बांटी गईं। पूरे नगर एवं ग्रामीण अंचल में दिनभर जन्माष्टमी को लेकर उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

जन्माष्टमी पर निकली भव्य शोभायात्रा, नन्हें राधा-कृष्ण बने आकर्षण का केंद्र



चांपा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर प्रभात फेरी कीर्तन मंडली चांपा की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शुक्रवार 4 सितंबर की शाम 5 बजे बाल स्वरूप श्रीकृष्ण की तस्वीर से सुसज्जित रिवशा के साथ शोभायात्रा हनुमान चौक से प्रारंभ हुई। यह हटवारा चौक, समलेश्वरी चौक और खंदर बाजार होते हुए पुनः हटवारा चौक पहुंची। शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में अभिमानवती ने छोटे-छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण, बलराम, राधा रानी और ग्वाल-बाल के रूप में सजाया। नन्हें-मुन्ने राधा-कृष्ण रथ पर विराजमान होकर हाथों में प्रसाद की टोकरी, मोरपंख और बांसुरी के साथ बेहद मनमोहक नजर आए। कन्नौजिया स्वर्णकार समाज के केंद्राध्यक्ष जयदेव सोनी उठा। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में तुमेश यादव, भरत लाल यादव, हृदय यादव, लकेश यादव, रमेश यादव, शत्रुघ्न यादव, लक्ष्मी प्रसाद यादव, सोनाराम यादव, राजकुमार यादव, नंदराम यादव, विजय यादव, रामप्रसाद यादव, देलूराम यादव, रामानुज यादव, स्वदराम यादव, मनीष यादव, केजूराम यादव, पुनीराम यादव उपाध्यक्ष एवं यादव समाज के श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन लकेश यादव ने किया।

जन्माष्टमी महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, मटका फोड़ रहा आकर्षण का केंद्र

अकलतरा। जन्माष्टमी के अवसर पर नगर में समन्वय समिति के तत्वावधान में भव्य श्रीकृष्ण झांकी एवं शोभायात्रा निकाली गई। आकर्षक झांकियों और भक्ति गीतों से सजी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। करीब चार दशक से चली आ रही जन्माष्टमी महोत्सव की परंपरा के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं उनके जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को आकर्षक झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। झांकी के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। शोभायात्रा को देखने के लिए नगर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जन्माष्टमी महोत्सव में आयोजित मटका फोड़ कार्यक्रम ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। मटका फोड़ने के लिए युवाओं में खासा उत्साह रहा। युवाओं ने मानव परिमिड बनाकर ऊंचाई पर लटके मटके तक पहुंचने का प्रयास किया। मटका फूटते ही कार्यक्रम स्थल जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंज उठा। आयोजन को सफल बनाने में समन्वय समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। धनराज सिंह चौहान, संतोष तिवारी, रामगोपाल श्रीवास, राजू तिवारी, छोटू कश्यप, राजा कश्यप, शांति लाल यादव और मौजू तिवारी सहित समिति के सदस्यों ने झांकी एवं आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया।



प्राथमिक शाला में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी



अकलतरा। एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित धीरेन्द्र कुमार सिंह प्राथमिक शाला अकलतरा में श्री कृष्ण जन्मोत्सव बेहद धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव के दौरान शाला के छोटे छोटे बच्चे श्री कृष्ण, राधा रानी की वेशभूषा में नजर आए। बच्चों के इस रूप में शाला परिसर को गोकुलधाम के रंग में सजाकर देखा। बच्चों द्वारा श्री कृष्ण के भजनों पर नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही, जिसमें नन्हें बाल गोपाल ने बारी बारी से आंख पर पट्टी बांधकर मटकी फोड़ने का प्रयास किया। कड़े मुकाबले और भारी उत्साह के बीच कक्षा पांचवी की छात्रा दीक्षा जाहिर ने मटकी फोड़ी, जिसके बाद पूरा परिसर रंभायी घोड़ा पावती, जय कन्हैया लाल कीर और जय श्री कृष्ण के जयकारों से गुंज उठा। विजेता को प्रधानपाठक रवि वर्मा द्वारा रु. 151 नगद से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शाला के प्रधानपाठक सहित समस्त स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे। अंत में बच्चों की प्रसाद वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर करेंगे प्रदर्शन

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ प्रदेश के नियमित - अनियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स 5 सूत्रीय मांगों को लेकर 11 सितंबर को इंद्रावती भवन के गेट नंबर 3 नया रायपुर के सामने संयुक्त प्रदर्शन करेंगे।



प्रो. विद्यार्थकर रिंघानिया

विद्या इलेक्ट्रिकल्स

सभी कम्पनियों के बिजली सामनों के थोक एवं रिटेल विक्रेता।

न्यू चांपा रोड, नेताजी चौक जांजगीर जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

9926744810

आम सूचना (ग्राम कोसमंडा प.ह.नं. 06 प.नि.म. व तहसील चाम्पा (जिला जांजगीर-चाम्पा छ.ग. स्थित भूमि के संबंध में) सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री शिवकुमार जायसवाल आनंद स्व. श्री वच्चनलाल जायसवाल निवासी चाम्पा ने विक्रता नरेंद्र कुमार जायसवाल निवा श्री सी.एन. जायसवाल निवासी कोना बाड़ी कोन्वा तहसील कोन्वा जिला कोन्वा से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम कोसमंडा प.ह.नं. 06 प.नि.म. व तहसील चाम्पा जिला जांजगीर-चाम्पा छ.ग. में अवस्थित भूमि छ.नं. 2864/1 शर्गिमत 2865/1, 2866/1 कुल रकबा 0.0660 एकड़ भूमि जो कि चटोली चौक से हथबेरा रोड मुख मार्ग से लगी हुई है इस भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है तथा बेचना की कार्यवाही शेष है। अतः उपरोक्त संव्यवहार अथवा उसके स्वत्व हित अथवा उसके स्वत्व के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, निवास, शासकीय, अर्धशासकीय बैंक अन्य को यदि कोई दावा / आपत्ति हो तो उस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भय दस्तावेज नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष लिखित आर्पित प्रस्तुत करें दस्तावेज के कौरी आपत्ति पान्त नहीं होगा अर्थात के बाद प्रस्तुत आपत्ति पर मेरे पक्षकार के संव्यवहार में बाधकारी नहीं होगा तथा मेरे पक्षकार उक्त इकरारनामा समर्पित का बैकमा अपन पद में कायम हो व्यस्त होगा। मेरे सूचना जाने दिनांक 05/09/2026 भवदीय शिवकुमार निवासी अधिवक्ता चाम्पा मो.नं. 70000553925	छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026 प्रारूप-(एक) नाम परिवर्तन सूचना में कुमारी तुमिल खैरवार (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पत्नी दुजराम गांव औराडीह तहसील बाह्मनीडीह जिला जांजगीर- चांपा छत्तीसगढ़ ने अपना नाम कुमारी तुमिल खैरवार (पुराना नाम) से बदल कर तुमिन (नया नाम) रख लिया है। हस्ताक्षर (पुराने नाम से) कुमारी तुमिल खैरवार
--	--

डॉ. दिलीप लालबानी नेत्र रोग विशेषज्ञ फेकी सर्जनि एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON ARAVIND EYE HOSPITAL, COMBATORE	भास्कर आई केयर कालामोतिया नजर चुराता है और दई भी नीती होता! प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST निर्दोषी सल्लग भवन के पास, हिंद स्पোর্ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगढ़ भवन, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 9329124989	आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध
--	--	---

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में डॉ. ABHISHEK GAWRI MBBS, MS (Surgery), DNB (Urology) Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery 9827144197, 9827144777	मूत्र रोग एवं सर्जरी किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज यौन संबंधी समस्याएं महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं	
---	--	--

खबर संक्षेप

नवीन प्राथमिक शाला फुलवारीपारा में मनाया गया शिक्षक दिवस



बिरां। शासकीय नवीन प्राथमिक शाला फुलवारी पारा बिरां में बच्चों द्वारा शिक्षक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम बच्चों के द्वारा देश भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति प्रख्यात दार्शनिक एवं शिक्षाविद् और भारत रत्न से सम्मानित सर्वपल्ली डॉक्टर राधा कृष्णन के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना किया गया । उसके बाद सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन 5 सितम्बर के अवसर पर शिक्षकों से केक कटवा कर एवं तिलक वंदन और भेंट देकर स्वागत किया गया । इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा बच्चों के मिठाई, मिस्रसर, बिस्किट, चाकलेट देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर शासकीय नवीन प्राथमिक शाला फुलवारी पारा बिरां के प्रधान पाठक संतराम कश्यप, श्रीमती निहारका साहू सहायक शिक्षिका, भारती साहू अतिथि शिक्षक, श्रीमती अवधमती साहू,श्रीमती सूरज बाई कर्ष रसोईया एवं कैलाशा यादव सफाई कर्मचारी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर श्रीफल व कलम मेंट कर किया शिक्षकों का सम्मान



तनौद। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघलद्वीप में शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल चित्र पर सेवानिवृत्त प्रधान पाठक द्वय गोरे सिंह केवर, घसिया राम उजौर ने अगरबत्ती, श्रीफल, गुलाल, पुष्प, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किये। विद्यालय के प्रभारी प्रधान पाठक रमेश कुमार कैवल्य ने सेवानिवृत्त प्रधान पाठक द्वय के साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों आशीष कुमार साहू, नीलम कुमार जोगी, श्रीमती अनिता कुर्रे, श्रीमती सरोज सिंघर का श्री फल व कलम भेंट कर सम्मान किया एवं बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति पर उन्हें पुरस्कृत करने की बात दोहराया। कार्यक्रम के आयोजक बाल संसद के मंत्रीगण के प्रभारमंत्री यशु गांडा ने कार्यक्रम का संचालन किया । स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री रीमा पटेल ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाले। बच्चों ने पुष्प कलम एवं तिलक से उपस्थित शिक्षकों का सम्मान किए।

प्रबुद्ध भारती बिरां के तत्वाधान में शिक्षक सम्मान समारोह आज

बिरां। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरां के आचार्य चाणक्य सभागार में 6 सितंबर रविवार को दोपहर 2 बजे से प्रबुद्ध भारती बिरां के तत्वाधान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है। इस संबंध में प्रबुद्ध भारती बिरां के अध्यक्ष बुद्धेश कुमार कश्यप और प्रबुद्ध भारती बिरां के उपाध्यक्ष मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि एवं शिक्षाविद् और भारत रत्न से सम्मानित डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन की उपलक्ष में प्रबुद्ध भारती बिरां के द्वारा आचार्य चाणक्य सभागार में 6 सितंबर दिन रविवार को दोपहर 2 बजे से आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निर्मल सिंहा पूर्व विधायक एवं सभापति जिला पंचायत सकती होंगे। अध्यक्षता बसंत चतुर्वेदी विकासखंड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिनेश सोनवान जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा जांजगीर चांपा उपस्थित रहेंगे। इस शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही शारदा संगीत विद्यालय बिरां के छात्र-छात्राओं के द्वारा गाान एवं वादन और स्वागत गीत आदि कार्यक्रम भी प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन को लेकर प्रबुद्ध भारती बिरां के द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

राजेंद्र कुमार सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षक दिवस पर हुआ अनूठा आयोजन छात्र बने शिक्षक और संभाली शाला की कमान

हरिभूमि न्यूज़ अकलतरा

राजेंद्र कुमार सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षक दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक एवं पाठ्येतर गतिविधि विभाग के तत्वावधान में अनुठे कार्यक्रम “छात्र नियंत्रित शाला” का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने छात्र शिक्षक एवं छात्र पदाधिकारियों के रूप में विद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन कर नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के तहत किरण निर्मलकर ने छात्र प्राचार्य, निखिल निर्मलकर ने छात्र उपप्राचार्य तथा अंकित नोगे एवं आयुष तिवारी ने खेल शिक्षक की भूमिका निभाई।



शिक्षक दिवस पर बच्चों को पढ़ाते बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी ।

वहीं कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विभिन्न कक्षाओं में छात्र शिक्षक के रूप में अध्यापन कार्य कर विद्यालय की गतिविधियों का सफल संचालन किया। मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल,

विशिष्ट अतिथि सचिव ईश्वर खंडेलिया, सह सचिव पंकज देशी, कोषाध्यक्ष स्वप्निल जैन एवं शाला प्राचार्य आर.के. विश्वकर्मा ने मां सरस्वती की प्रार्थना की। राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। छात्र

प्राचार्य किरण निर्मलकर ने स्वागत उद्घोषण देते हुए छात्र नियंत्रित शाला के अपने अनुभव साझा किए। प्राचार्य आर.के. विश्वकर्मा ने कहा कि “शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाते, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाते हैं और विपरीत परिस्थितियों में अडिग रहकर लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा देते हैं।” उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा निभाई गई विभिन्न भूमिकाओं की सराहना की।इस अवसर पर उल्कृष्ट अध्यापन करने वाले छात्र-शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया। मिडिल स्कूल वर्ग में राजमणि प्रथम एवं अंजू साहू द्वितीय, हाई स्कूल वर्ग में सुखनंदन बरेठ प्रथम एवं कु. रागिनी द्वितीय तथा हायर सेकेंडरी वर्ग में पुष्पेंद्र देवांगन प्रथम एवं पंकज मरार द्वितीय रहे।

अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट की ओर से सभी छात्र पदाधिकारियों एवं छात्र-शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र अंकित नोगे ने किया। आयोजन की रूपरेखा एवं गतिविधियों का संचालन वरिष्ठ शिक्षक आर.के. पांडेय एवं पाठ्येतर गतिविधि प्रभारी वर्षा यादव ने किया। अध्यापन प्रतियोगिता में एच.के. राठौर, छाया सिंह चंदेल, सी.के. सोनी, जी.पी. देवांगन, रानी विंध्याचल, जी.पी. डहरिया, सुमनचंद्र साहू, ओ.पी. शर्मा एवं योगवती भारद्वाज ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

लायंस स्कूल में हुआ शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, 125 शिक्षक हुए सम्मानित

विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाते हैं शिक्षक : कश्यप

हरिभूमि न्यूज़ चांपा

समाज व देश में शिक्षकों का सम्मान इसलिए नहीं किया जाता कि वे हमें अक्षर ज्ञान कराते हैं बल्कि उनका सम्मान इसलिए किया जाता है क्योंकि वे अपने विद्यार्थियों को नैतिक, संस्कारयुक्त व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उन्हें जीवन जीने की कला सिखाते है। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षकों का सम्मान कर हम एक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनकी भूमिका की सराहना करते हैं।

उक्त उद्गार जांजगीर-चांपा के विधायक व्यास नारायण कश्यप ने लायंस क्लब भवन में शनिवार 5 सितम्बर को दोपहर 1:30 बजे से लायंस स्कूल द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह 2026 को मुख्य अतिथि की आसदी से संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब चांपा लायंस इंग्लिश स्कूल का 49 वर्षों से सफलतापूर्वक संचालन कर क्षेत्र के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान कर महत्वपूर्ण कार्य संपादित कर रहा है। कश्यप ने शिक्षक दिवस की सभी सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के बदलते दौर में तकनीक और एआई के चलते शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक अपने बच्चों में अनुशासन, नैतिक शिक्षा, संस्कार आदि का समावेश कर उन्हें एक सच्चा नागरिक बनाने में अपना योगदान निभाता है। समारोह को संबोधित करते हुए अपने स्वागत भाषण में लायंस क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन संतोष कुमार सोनी ने कहा कि आज देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस के माध्यम से लायंस स्कूल राष्ट्र निर्माता शिक्षकों का सम्मान कर देश की भावी पीढ़ी के निर्माण में उनकी सराहनीय भूमिका का सम्मान करता है। लायन विनोद कुमार अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं



समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि विधायक व्यास कश्यप व मंचस्थ अतिथिगण ।

जल कर अपने विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान, शिक्षा एवं संस्कार की ज्योति फैलाता है। लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन रामप्रन्न देवांगन ने कहा कि एक स्कूल की पहचान उसके अच्छे भवन तथा उपलब्ध सुविधाओं से नहीं बरन उसके शिक्षकों से होती है। उन्होंने इस वर्ष लायंस स्कूल को सीबीएसई की मान्यता प्राप्त होने पर कहा कि इसके पीछे यहां के शिक्षकों के समर्पण की मुख्य भूमिका है। समारोह को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि रीजन चेयर पर्सन लायन राजेश अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का सबसे सच्चा पथ प्रदर्शक उनका शिक्षक होता है। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रांतपाल लायन डॉ. व्ही.के. अग्रवाल ने कहा कि एक अच्छे शिक्षक से ही उसके विद्यार्थियों की प्रगति होती है। उन्होंने लगातार 49 वर्षों से लायंस स्कूल द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किये जाने पर क्लब के सदस्यों की सराहना की। मुख्य अतिथि विधायक व्यास नारायण कश्यप ने कहा कि एक छात्र वैज्ञानिक, इंजीनियर अथवा डॉक्टर बनता है तो इसके पीछे उसके शिक्षक का हाथ होता है क्योंकि शिक्षक ही हमें जीवन जीने की कला सिखाता है।

आज तकनीक के बदलते दौर में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। समारोह का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। समारोह के दौरान नगर तथा लायंस स्कूल के 125 सेवानिवृत्त और कार्यरत शिक्षकों का सम्मान अतिथियों द्वारा तिलक लगाकर एवं उपहार सामग्री व मिष्ठान पैकेट भेंट कर किया गया। सभी अतिथियों को अंत में लायंस क्लब की ओर से स्मृति चिन्ह के रूप में कोसैय शाल पहनायी गई और उपहार सामग्री भेंट की गई। अंत में राष्ट्रगान व अल्पाहार के साथ ही समारोह संपन्न हुआ। समारोह का संचालन शिक्षिका जया अग्रवाल तथा अंत में आभार प्रदर्शन लायंस क्लब शिक्षण समिति के सचिव लायन सी.ए. सुरेश कुमार अग्रवाल ने किया। इस मौके पर लायन डॉ. के.पी. राठौर, डॉ. जी.पी. दुबे, बैजनाथ देवांगन, डॉ. संतोष अग्रवाल, डॉ. योगेन्द्र शर्मा, खुबचंद देवांगन, विनोद अग्रवाल, लायंस स्कूल की प्राचार्य श्रीमति अजिता वी. के. सहित बड़ी संख्या में नगर के सेवानिवृत्त शिक्षक, लायंस क्लब में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं के अलावा गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस



चांपा। महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, चांपा में शिक्षक दिवस समारोह गरिमामय एवं उत्सासपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने स्वागत भाषण, मनमोहक नृत्य, सुगम संगीत, भावपूर्ण कविता पाठ सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और स्नेह की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय जीवन की खट्टी-मीठी यादें से जुड़ी प्रस्तुतियों ने समारोह को भावुक और जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं गतिविधियां भी आयोजित कीं। शिक्षकों ने इन गतिविधियों में बाल-सुलभ उत्साह के साथ सहभागिता की। इससे विद्यालय परिसर में गुरु-शिष्य के बीच सहज, आत्मीय और खुशनुमा संबंधों की सुंदर तस्वीर देखने को मिली। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान प्रदान करने वाला माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थी के समग्र व्यक्तित्व, विचार और चरित्र को सही दिशा देने वाला सच्चा मार्गदर्शक होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक कुशल शिल्पकार की तरह विद्यार्थियों की प्रतिभा को तराशकर उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचार्य श्रीमती सिंह ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के रचनात्मक प्रयास एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, सहयोग की भावना और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। समारोह के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, वालकों, परिचालकों एवं तृणं ग्रेणी कर्मचारियों को उपहार मेंट किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने सभी के समर्पित योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

हसदेव पब्लिक स्कूल में विविध राधाकृष्णों का हुआ आयोजन

चांपा। चंदावली देवी झाड़ाडिया मेमोरियल हसदेव पब्लिक स्कूल चांपा में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस हर्षोल्लास उत्साह और आनंद के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समिति के अध्यक्ष मोहन लाल गुलाबानी ने भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर धूप दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के हायर सेकेंडरी कक्षा के छात्र छात्राओं ने अतिथियों,अपने गुरुजनों का अक्षत तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। उपप्राचार्य श्रीमती कमल अंबवाणी कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देतेए बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार और उच्चल मूल्य की नींव भी रखते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन का अनुसरण करने का आह्वान किया। मोहन लाल गुलाबानी ने प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। एकल, युगल, सागृहिक नृत्य का उपस्थित सभी लोगों ने तालियों के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का भी आयोजन किया। विद्यार्थियों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए कक्षाओं का संचालन किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के संचालन समिति की ओर से सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को आकर्षक उपहार प्रदान कर उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर विद्यालय संचालन समिति के सचिव अरुण कुमार झाड़ाडिया, कोषाध्यक्ष कमल अग्रवाल, कमल मोदी, उपप्राचार्य कमल अंबवाणी, मैनेजर जवाहरलाल यादव व शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



ससहा में शिक्षक सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर आयोजित



पामगढ़। शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत ससहा, जनपद पंचायत पामगढ़ के तत्वावधान में शासकीय बालक प्राथमिक शाला, ससहा में शिक्षक सम्मान समारोह एवं स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक एस. आर. साहू, के. एल. यादव, एस. एन. कुममज, आर. आर. रायसागर, बी. पी. साहू, बी. आर. श्रीवास एवं धरम राज पैकरा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर शिक्षा एवं समाज निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। सम्मानित शिक्षकों ने अपने संबोधन में गुरु-शिष्य परंपरा, शिक्षा के महत्त्व तथा विद्यार्थियों के उच्चल मूल्य के निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और जीवन-मूल्यों का विकास भी करते हैं। कार्यक्रम को संक्षिप्त करते हुए जय कुमार, सभापति, जनपद पंचायत पामगढ़ ने गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु के महान योगदान को स्मरण करते हुए उनके चरणों में नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती कुसुम उत्तरा साहू, संपन्न के गुरुजनों का स्वागत करते हुए समाज में उनके योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का आभार प्रबंधन ओंकार रायसागर, अधिवक्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत ससहा के सचिव लखेश्वर यादव द्वारा किया गया। सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा किसी भी गांव के स्थायी विकास की सबसे मजबूत नींव है। पंचायत और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय से शिक्षा के वातावरण को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है। इस अवसर पर आयोजित स्वेच्छिक रक्तदान शिविर में ग्रामीणों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने के उद्देश्य से रक्तदान किया। रक्तदान शिविर संकट मोचन ब्लड बैंक, शिवरीनारायण के प्रायोजन तथा कर्ष हॉस्पिटल, पामगढ़ के सौजन्य से आयोजित किया गया। वहीं कार्यक्रम के सफल आयोजन में रूथ 11 क्रिकेट टीम, ससहा एवं समस्त ग्रामवासी ससहा का विशेष सहयोग रहा।

हरिभूमि एजेंसी देना है
आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि की मल्दा, कैथा में एजेंसी देना है। इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन (डिपॉजिट राशि) के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
मेट्रो सिनेमा के सामने, लिंकरोड जांजगीर, मो. 90303508198
देवांगन न्यूज एजेंसी बिरां 9424280197

online Booking:-www.tripuryatra.com
सविधा ज्योदा सबसे कम राशि पर
स्येचाल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोखा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से हेलिक
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि : स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/-। 1-45% GST। Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR-D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
तेज़, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेट्रो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मेडिकल/एड का एक्सपर्ट फेको ऑपरेशन नेत्र प्रत्योपकरण
अब तक 150 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान
डॉ. एल.सी. मदरिया MBBS, MS नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन
डॉ. एक्वर मदरिया MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नव चिकित्सा सेवा ● इन्वैज़िवीय व रेडियल के बीमारों के अत्यंत का त्वरित ईलाज तेज़ा तेज़ा द्वारा
आई.जी.ओप्टिकल टेड. नेहरू चौक, बिलासपुर फ़ोन:- 07752-402070, 228277, मो.:- 9826190123, 9669979123